दोपहर का
सामना
मंगलवार
२७ सितंबर २०११

२५ लोगों ने मोटापे से पाया छुटकारा

■ मुंबई। पूरा परिवार मोटापे से ग्रसित हो तो उस परिवार का क्या हाल होगा? यह अनुवांशिक रोग पाया गया है केन्या में रह रहे भारतीय अप्रवासी जलीला रामजी के परिवार में। खुद जलीला मोटापे की बीमारी से ग्रसित है। महज १९ वर्ष की आयु में जलीला का वजन आश्चर्यजनक रूप से १८० किग्रा. हो गया था। इस युवती को इतनी अधिक भूख लगती थी कि वो प्रतिदिन ५००० से ६००० कैलरी ऊर्जा देने इतना खाना खा जाती थी। १२ साल की स्कूली जीवन में ही जलीला का वजन १२० किलो हो गया था। इस वजह से स्कूल के सहपाठी उसका मजाक उड़ाने के साथ ही कोई उससे दोस्ती नहीं करता था। केन्या से बड़ी संख्या में मोटापे के मरीज मुंबई के डॉक्टरों के पास इलाज के लिए आ रहे हैं। जलीला के परिजन भी यहां इलाज करा चुके हैं। २५ सदस्यों के इस परिवार के कई लोगों ने मालाड के डॉक्टर अभय अग्रवाल के पास बैरियाटिक सर्जरी करा कर खुद को दुबले-पतले होने का सुख उठा रहे हैं। अग्रवाल हॉस्पिटल के डॉ. अभय अग्रवाल का कहना है कि बैरियाटिक सर्जरी के तहत स्लीव गैसट्रेक्टोमी द्वारा मरीजों के आंत के आकार को स्टेपल कर उसे द्विभाजित करके छोटा कर दिया जाता है। सामान्यतः व्यक्ति की आत साढ़े सात सौ मिलीलीटर की होती है जिसे छोटा कर डेढ़ सौ से सवा सौ मिलीलीटर का कर दिया जाता है। इस सर्जरी के बाद मोटापे से ग्रसित व्यक्ति को भूख कम लगना शुरू हो जाता है? और खाना कम खाने लगता है। डॉक्टर अभय अग्रवाल यह भी बताते हैं कि बैरियाटिक सर्जरी के बाद नियमित व्यायाम मरीज में वजन घटाने का महत्वपूर्ण पक्ष होता है। अनुमान है कि इस ऑपरेशन के बाद जलीला रामजी के वजन में ८० से १० किलोग्राम की कमी आएगी।